संख्या-18/2023/I/292923/38-2002-002-09/2022

प्रेषक,

रमेश चन्द्र मिश्र,
उपसचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
दीनदयाल उपाध्याय,
राज्य ग्राम्य विकास संस्थान,
बक्शी का तालाब, लखनऊ।

ग्राम्य विकास अनुभाग-2 **लखनऊ : दिनांक 24 मार्च, 2023**

विषयः-**दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के अधीनस्थ क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थानों की मानक मद 01-वेतन से उसी लेखाशीर्षक की मानक मद 16-व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिये भुगतान में धनराशि के पुनर्विनियोग के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-824/1प्रशि0/बजट आवंटन/(4)/2022-23 दिनांक 14 मार्च, 2023 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक "2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-003-प्रशिक्षण-03-कर्मचारियों का प्रशिक्षण-क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थान-" की मानक मद 01-वेतन से मानक मद 16-व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिये भुगतान मद में धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत किये जाने अनुरोध किया गया है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-003-प्रशिक्षण-03-कर्मचारियों का प्रशिक्षण-क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थान-" की मानक मद 01-वेतन से मानक मद 16- व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के भुगतान मद में रू0 1.00 लाख (रूपये एक लाख मात्र) की धनराशि का पुनर्विनियोग किये जाने की निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

नियम व शर्तें / प्रतिबन्धों

(1) बचत की मद में पुनः धनराशि की मांग नही की जायेगी।

(2) प्रश्नगत धनराशि का आवंटन, किसी प्रकार के व्यय का प्राधिकार नही देता। धनराशि के आहरण से पूर्व उसके भुगतान की अनुमन्यता/पुष्टि आदि को सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण दायित्व महानिदेशक, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, लखनऊ का होगा।

(3) प्रश्नगत प्रस्ताव का परीक्षण बजट की उपलब्धता के आधार पर किया गया है। प्रश्नगत धनराशि की स्वीकृति किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नहीं देता है। जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और फाइनेंशियल हैण्डबुक के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

(4) योजनान्तर्गत प्रश्नगत धनराशि के उपयोग में द्विरावृत्ति न हो तथा आंकड़ो की शुद्धता सुनिश्चित किये जाने का दायित्व महानिदेशक, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, लखनऊ का होगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(5) पुनर्विनियोग के माध्यम से प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष यथावश्यकता वित्तीय स्वीकृति निर्गत करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-13/2022/ बी-1-454/दस-231/2022, दिनांक 07 जून 2022 व अन्य संगत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 1,00,000 (रुपये एक लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक मे **अनुदान संख्या** 013 **लेखा शीर्षक** 2515000030300 कर्मचारियों का प्रशिक्षण(क्षेत्रीय/जिला ग्राम विकास संस्थान) **मानक मद** 16 व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग- 1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/2022/ बी-1-454/दस-231/2022, दिनांक 07 जून 2022 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,
रमेश चन्द्र मिश्र
उपसचिव

संख्या-18/2023/1/292923/38-2002-002-09/2022, तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- महालेखाकार,(लेखा एवं हकदारी) प्रथम /द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
3- श्री हरीराम, संयुक्त सचिव/नोडल अधिकारी, ग्राम्य विकास विभाग, उ0 प्र0 शासन।
4- सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी।
5- निदेशक, वित्तीय/सांख्यिकी निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
6- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1
7- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-2
8- ग्राम्य विकास अनुभाग-3
9- गार्ड बुक।

आज्ञा से,
रमेश चन्द्र मिश्र
उप सचिव

http:

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

बी एम-9 (भाग - 1)

पुनर्विनियोग के लिए आवेदन / स्वीकृति

(संदर्भ : बजट मैनुअल का प्रस्तर- 158)

A038-20222023-38-2002-002-009-2022

विषय:- दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के अधीनस्थ क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थानों की मानक मद 01-वेतन से उसी लेखाशीर्षक की कतिपय अन्य मानक मदों में धनराशि के पुनर्विनियोग के सम्बन्ध में।

निम्नलिखित निधियो से प्रस्तावित संक्रमण

अनुदान संख्या	लेखाशीर्ष	मानक मद	आवेदन पत्र देने के दिनांक पर उपलब्ध अनुदान / विनियोग	आवेदन पत्र देने के दिनांक पर उपलब्ध बचत	संक्रमित की जाने वाली धनराशि	संक्रमण के पशचात् शेष अनुदान / विनियोग	वित्तीय वर्ष
013	2515000030300 (कर्मचारियों का प्रशिक्षण(क्षेत्रीय/जिला ग्राम विकास संस्थान)	01 (वेतन)	43,63,80,000 रुपये तैंतालीस करोड़ त्रेसठ लाख अस्सी हजार मात्र	1,12,15,000 रुपये एक करोड़ बारह लाख पंद्रह हजार मात्र	-1,00,000 रुपये एक लाख मात्र	43,62,80,000	2022-2023

निम्नलिखित निधियो मे प्रस्तावित संक्रमण

अनुदान संख्या	लेखाशीर्ष	मानक मद	वित्तीय वर्ष के लिए उपलब्ध / विनियोग	संक्रमण हेतु प्रस्तावित धनराशि	संक्रमण के पशचात् शेष अनुदान / विनियोग	वित्तीय वर्ष
013	2515000030300 (कर्मचारियों का प्रशिक्षण(क्षेत्रीय/जिला ग्राम विकास संस्थान))	16 (व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान)	10,00,000 रुपये दस लाख मात्र	1,00,000 रुपये एक लाख मात्र	11,00,000	2022-2023

कृपया उपरोक्त प्रस्ताव पर निम्नलिखित शर्तो के अधीन प्रशासनिक विभाग को अनुमोदन देना चाहे :-

(1) दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के अधीनस्थ क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थानों के कार्मिकों के सेवानिवृत्ति उपरान्त पद रिक्त होने तथा आयोग द्वारा सीधी भर्ती एवं प्रोन्नति के पदों को न भरे जाने के कारण वित्तीय वर्ष 2022-23 में मानक मद 01-वेतन में धनराशि की बचत हो रही है।

(2) उसी लेखाशीर्षक के मानक मद 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान मद में पर्याप्त बजट व्यवस्था न होने के कारण धनराशि की आवश्यकता है।

उपर्युक्त पुनर्विनियोग में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर-150,151,154 व 155 में निर्दिष्ट प्रतिबन्धों/परिसीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

संख्या:**RE-budget-1-564-E-2-231-X-2022-23**, दिनांक- **21 मार्च, 2023**

सेवा में,

महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उ0 प्र0 प्रयागराज।

(रमेश चन्द्र मिश्र)
उप सचिव

(नीलेश कुमार सिंह)
संयुक्त सचिव